विश्व हिंदी दिवस

10 जनवरी, 2025

विकसित भारत @ 2047-
नाभिकीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की भूमिका

कार्यवाही रिपोर्ट

आयोजक
राजभाषा कार्यान्वयन समिति
इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र
कल्पाक्कम – 603 102

इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम में दिनांक 10 जनवरी 2025 को आयोजित विश्व हिंदी दिवस कार्यक्रम की रिपोर्ट

****

इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम के साराभाई ऑडिटोरियम में दिनांक 10 जनवरी 2025 को विश्व हिंदी दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हिंदी में दो तकनीकी वार्ताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का थीम था : **"विकसित भारत@2047- नाभिकीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की भूमिका"**। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं वार्ताकार के रूप में श्री दिनेश कुमार शुक्ला, प्रतिष्ठित वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद, मुंबई उपस्थित थे।

कार्यक्रम का आरंभ तमिल थाई वजथु से किया गया। तदुपरांत इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम के निदेशक एवं अध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति श्री सी एस करहाडकर ने मुख्य अतिथि को शॉल एवं हिंदी पुस्तक भेंट कर उनका स्वागत किया।

केंद्र की मुख्य प्रशासनिक अधिकारी श्रीमती अजीता थरियन ने स्वागत संबोधन दिया। डॉ. अवधेश मणि, प्रधान, सीएमपीडी एवं सह अध्यक्ष, राभाकास ने कार्यक्रम का परिचय दिया तथा केंद्र में राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित गतिविधियों की जानकारी दी।

इसके बाद श्री सी एस करहाडकर ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में भारत के वर्तमान एवं भविष्य के परिदृश्य के संदर्भ में नाभिकीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और परमाणु ऊर्जा विभाग के महत्व के बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारत के माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विजन के अनुरूप वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में नाभिकीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की एक बड़ी भूमिका रहेगी और हमें इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सतत प्रयास करते रहने होंगे।

इसके बाद, श्री नरेंद्र कुमार कुशवाहा, वैज्ञानिक अधिकारी/जी एवं सदस्य राभाकास ने मुख्य अतिथि एवं वार्ताकार श्री दिनेश कुमार शुक्ला, प्रतिष्ठित वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद, मुंबई का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया। अपनी वार्ता के आरंभ में श्री दिनेश कुमार शुक्ला कहा कि इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम

में इस प्रकार के आयोजन अत्यंत सराहनीय हैं जिसके लिए उन्होंने केंद्र के निदेशक, राजभाषा कार्यान्वयन समिति और सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को बधाई दी।

तदुपरांत श्री शुक्ला ने अपनी वार्ता प्रस्तुत की। उनकी वार्ता का विषय था : **लघु मॉड्युलर रिएक्टर - प्रासंगिकता एवं चुनौतियां।** उन्होंने हिंदी में पीपीटी के माध्यम से इस विषय पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने इसके तकनीकी, व्यावहारिक एवं नियामक पहलुओं को बड़ी ही सरल भाषा में प्रस्तुत किया। उन्होंने यह भी कहा कि डॉ. होमी जहांगीर भाभा की दूरदृष्टि का परिणाम है कि आज हम नाभिकीय ऊर्जा के क्षेत्र में एक उल्लेखनीय स्थान पर हैं। उन्होंने श्रोताओं के अनेक प्रश्नों के उत्तर भी दिए।

कार्यक्रम में दूसरे वार्ताकार डॉ. शशिकांत पाटने, एमडी, पीएचडी, डीन (अकादमिक) एवं प्रोफेसर (पैथोलॉजी), होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं महामना पं. मदन मोहन मालवीय कैंसर केंद्र, वाराणसी थे। उन्होंने ऑनलाइन माध्यम से अपनी वार्ता प्रस्तुत की। श्री प्रशांत शर्मा, वैज्ञानिक अधिकारी/जी एवं सदस्य राभाकास ने उनका संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया। तदुपरांत डॉ. पाटने ने "**भारत में तंबाकू संबंधी कैंसर**" विषय पर पीपीटी के माध्यम से अत्यंत सरल तरीके से विषय को प्रस्तुत किया। उन्होंने विभिन्न आंकड़ों एवं ग्राफ के माध्यम से इस विषय पर रोचक जानकारी दी तथा भारत में तंबाकू संबंधी कैंसर के उपचार एवं प्रबंधन के क्षेत्र में नाभिकीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की भूमिका के बारे में भी बताया। उन्होंने इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम को कार्यक्रम के आयोजन के लिए बधाई और शुभकामनाएं दीं।

तदुपरांत श्री प्रणय कुमार सिन्हा, वैज्ञानिक अधिकारी/ई एवं सदस्य, राभाकास ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम का संचालन श्री प्रभात कुमार शर्मा, उप निदेशक (राजभाषा) ने किया। इस कार्यक्रम में इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम के कई समूह निदेशक, सह निदेशक, प्रभाग / अनुभाग प्रधानों सहित 200 से भी अधिक कर्मचारी उपस्थित थे। राष्ट्र गान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति, इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम
विश्व हिंदी दिवस - (10 जनवरी 2025)
विकसित भारत@2047- नाभिकीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की भूमिका